राजस्थान सरकार द्वारा मनोवैज्ञानिक एवं मनोदैहिक कार्यों की सराहना

हिन्दुस्तान इंस्टीट्यूट, फरह (शारदा समूह) के निदेशक **डा0 नवीन गुप्ता** को विगत **21–22 दिसम्बर 2017** को **डिपार्टमेंट ऑफ हायर एण्ड टेक्नीकल ऐजूकेशन, राजस्थान सरकार** द्वारा आयोजित हायर ऐजूकेशन एवं **ह्यूमन रिसोर्स कॉन्क्लेव** के दौरान **होटल मैरीएट जयपुर** में **श्री आशुतोष कुमार (आईएएस) कमिश्नर– मिनिस्ट्री ऑफ हायर एजूकेशन, राजस्थान** द्वारा **विशेष सोशल इनोवेशन अवार्ड** द्वारा सम्मानित किया गया। **डा0 नवीन गुप्ता** ने अपने मनोवैज्ञानिक एवं मनोदैहिक शोध से सभा को अवगत कराया। इस दो दिवसीय अधिवेशन में देश–विदेश से प्रख्यात विद्वानों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

डा0 नवीन गुप्ता ने पैनल डिस्कशन के दौरान बताया कि कैसे आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस हमारे इमोशनल इंटेलीजेंस को अपने काल के गाल में समाहित करता जा रहा है। **वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2017 की रिपोर्ट के अनुसार भविष्य में डिजिटलाइजेशन के परिणाम स्वरूप 47% तक नौकरियाँ ऑटोमैटेड हो जायेंगी।** अगर ऐसा हो जाता है तो यह किस प्रकार का ह्यूमन रिसोर्स कहलायेगा जहॉ ह्यूमन ही नहीं रह जायेगा।

आज की जनरेशन मोबाइल व सोशल मीडिया की दीवानी है कहीं न कहीं वरिष्ठ लोगों को अनादर के भाव से भी देखने लगी है। यह पीढ़ी अधैर्यवान, निष्ठाविहीन, आलसी और नियमों को न मानने वाली बनती जा रही है। साथ ही वर्क–लाइफ–बैलेंस करने में भी असहज सी होती जा रही है जिसके कारण अवसाद, चिन्ता व हाइपरटेंशन जैसी तनाव सम्बन्धी बीमारियॉ इन्हें परेशान करने लगी हैं। आज इनके पास फेसबुक पर तो 1000 मित्र हैं लेकिन सारे के सारे आभासी। लेकिन इनके पास एक भी ऐसा मित्र नहीं है जिसे ये अपना वास्तविक मित्र कह सकें।

डा0 नवीन गुप्ता ने इस समस्या के समाधान हेतु शारदा समूह के लगभग 6000 विद्यार्थियों के लिए सन् 2013 में **सेंटर फॉर सेल्फ एण्ड कैरियर डवलपमेंट (सीएससीडी)** की स्थापना की जहॉ पर ट्यूटर–गार्जियन प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक मुद्दों को गंभीरता से सुना व समझा जाता है। साथ ही काउंसिलिंग के द्वारा उनकी समस्या का हल निकाला जाता है। **सीएससीडी** मुख्यतः सेल्फ अवैयरनेस, सेल्फ मैनेजमेंट, सोशल अवैयरनेस और रिलेशनशिप मैंनेजमेंट पर कार्य करती है। आज सीएससीडी शारदा ग्रुप के 4 अन्य कालेजों में भी अपनी सेवाऐं दे रहा है जिसका उद्देश्य छात्रों के इमोशनल इंटेलीजेंस को बढाना व आत्म विश्वास को मजबूती देना है। पैनल में उपस्थित सम्माननीय अतिथिगणों ने सीएससीडी द्वारा की जा रही बैस्ट प्रैक्टिसेस की खुलकर सराहना की और साथ में राजस्थान के हायर एजूकेशन प्रणाली में भी इसके स्थापना की बात कही।

अन्त में उन्होंने बौद्ध गुरू श्री दलाईलामा जी के कथनों को विस्तार से समझाते हुए बताया कि जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य प्रसन्नता ही होती है। इसलिए केवल जी0डी0पी0 से खुशियॉ नहीं प्राप्त कर सकते।

मीडिया कॉर्डीनेटरः–
डा0 अभिलाषा सिंह– 9837111332
श्री अखिलेश चन्द्रा–9808317998
श्री शान्तनु साहू– 9568190332